बालभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा – पंचम् **दिनांक -05 - 01-2021**

विषय -हिन्दी **विषय शिक्षक -पंकज कुमार**

एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित

सुप्रभात बच्चों आज पूर्वकालिक क्रिया के बारे में अध्ययन करेंगे

पूर्वकालिक क्रिया

पूर्वकालिक क्रिया की परिभाषा

जिस वाक्य में मुख्य क्रिया से पहले यदि कोई क्रिया हो जाए, तो वह पूर्वकालिक क्रिया कहलाती हैं।

दूसरे शब्दों में- जब कर्ता एक क्रिया समाप्त कर उसी क्षण दूसरी क्रिया में प्रवृत्त होता है तब पहली क्रिया 'पूर्वकालिक' कहलाती है।

दूसरी परिभाषा - पूर्वकालिक का अर्थ होता है - पहले से हुआ। जब कर्ता एक कार्य को समाप्त करके तुरंत दूसरे काम में लग जाता है तब जो क्रिया पहले ही समाप्त हो जाती है उसे पूर्वकालिक क्रिया कहते हैं। पूर्वकालिक क्रिया को धातु में कर या करके लगाकर बनाया जाता है।

जैसे-

- पुजारी ने नहाकर पूजा की
- राखी ने घर पहुँचकर फोन किया।

उपर्युक्त वाक्यों में पूजा की तथा फोन किया मुख्य क्रियाएँ हैं। इनसे पहले नहाकर, पहुँचकर क्रियाएँ हुई हैं। अतः ये पूर्वकालिक क्रियाएँ हैं।

पूर्वकालिक का शाब्दिक अर्थ है-पहले समय में हुई।

पूर्वकालिक क्रिया मूल धातु में 'कर' अथवा 'करके' लगाकर बनाई जाती हैं।

जैसे-

- चोर सामान चुराकर भाग गया।
- व्यक्ति ने भागकर बस पकड़ी।
- छात्र ने पुस्तक से देखकर उत्तर दिया।
- मैंने घर पहुँचकर चैन की साँस ली।